14. महान राष्ट्रभक्त: मदन लाल ढींगरा

शब्दार्थ

संपन्न = खुशहाल

अध्ययन = पढ़ाई

गौरवान्वित = महिमा से युक्त

प्रशिक्षण = सिखलाई

साक्ष्य = सबूत

अनुपालन = रक्षण

अभियोग = मुकद्दमा

स्मृति पुंज = यादों का समूह

संवाहक = आगे ले जाने वाली

वक्तव्य = कथन

अनथक = बिना थके

अस्थियाँ = हड्डियाँ

अभ्यास

(क) विषय-बोध

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए -

प्रश्न1. मदन लाल ढींगरा का जन्म कब हुआ?

उत्तर:- मदन लाल ढींगरा का जन्म 1887 को एक संपन्न परिवार में हुआ ।

प्रश्न 2. मदनलाल ढींगरा को लाहौर कॉलेज की पढ़ाई क्यों छोड़नी पड़ी?

उत्तर:- देशभक्ति की भावना के कारण मदन लाल ढींगरा को लाहौर कॉलेज की पढ़ाई छोड़नी पड़ी।

प्रश्न3. कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर उन्होंने अपना गुज़ारा कैसे किया?

उत्तर:- कॉलेज छोड़कर उन्होंने कई धंधे किए जिनमें कारखाने की मज़दूरी तथा रिक्शा, टांगा चलाकर अपना गुजारा किया।

प्रश्न4. वे इंग्लैंड में कौन-सी पढ़ाई करने गए थे?

उत्तर:- वे इंग्लैंड में मकैनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गये थे ।

प्रश्न5. मदन लाल ढींगरा किस क्राँतिकारी संस्था के सदस्य बने?

उत्तर:- मदनलाल ढींगरा 'अभिनव भारत' नामक क्राँतिकारी संस्था के सदस्य बने।

प्रश्न6. कर्जन वायली कौन था?

उत्तर:- कर्जन वायली स्टेट ऑफ इंडिया का सचिव सलाहकार था ।

प्रश्न 7 .मदन लाल को फांसी की सज़ा कब दी गई?

उत्तर:- मदन लाल ढींगरा को 17 अगस्त 1909 को फांसी की सज़ा दी गईं।

प्रश्न 8 .शहीद मदन लाल ढींगरा की अस्थियाँ भारत भूमि कब लाई गई?

उत्तर:- शहीद मदन लाल ढींगरा की अस्थियाँ 13 दिसंबर 1976 को भारत लाई गईं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन या चार पंक्तियों में दीजिए-

प्रश्न1. मदन लाल ढींगरा ने अंग्रेज़ों से बदला लेने की क्यों ठानी?

उत्तर:- मदन लाल ढींगरा इंग्लैंड जाकर अभिनव भारत नामक क्राँतिकारी संस्था के सदस्य बने। उन दिनों खुदी राम बोस, कन्हैया लाल दत्त, काशी राम जैसे क्राँतिकारियों को अंग्रेज़ों ने मृत्युदंड दे दिया था। इन घटनाओं ने मदन लाल ढींगरा के मन में अंग्रेज़ों के प्रति नफरत और बदले की भावना को जन्म दिया। इसलिए मदनलाल ढींगरा नें उनसे बदला लेने की ठानी।

प्रश्न2. कर्जन वायली को मदन लाल ढींगरा ने क्यों मारा?

उत्तर:- कर्जन वायली उन दिनों स्टेट ऑफ इंडिया का सचिव सलाहकार था। मदनलाल ढींगरा ऐसे अधिकारियों से नफ़रत करते थे । मदनलाल ढींगरा का मानना था कि ऐसे नीच

अधिकारियों ने हज़ारो भारतीयों को केवल गुलाम ही नहीं बनाया बल्कि बिना किसी कारण के मौत के घाट उतारा है। इसलिए मदन लाल ढींगरा ने कर्जन वायली को मारा।

प्रश्न3. मदन लाल ढींगरा की शहादत पर लाला हरदयाल ने क्या कहा था?

उत्तर:- मदन लाल ढींगरा की शहादत को याद करते हुए लाला हरदयाल ने कहा कि "ढींगरा की शहीदी उन राजपूतों और सिक्खों की कुर्बानियों का स्मृति पुंज है जिसके कारण शहादत अमर बन जाती है। इससे स्वतंत्रता की आवाज़ दबी नहीं बल्कि यही आवाज़ देश को स्वतंत्र बनाएगी"।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर छः या सात पंक्तियों में दीजिए-

प्रश्न1. ' शहीद मदन लाल ढींगरा एक सच्चे देशभक्त थे' स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर :- मदनलाल ढींगरा एक सच्चे देशभक्त थे। देशभक्ति के कारण ही उन्होंने अपने कॉलेज की पढ़ाई छोड़कर, देश सेवा के कार्य किए। लंदन जाकर वहां पर कई देशभक्त नेताओं के संपर्क में आए। वीर सावरकर और श्यामजी कृष्ण वर्मा भी मदन लाल ढींगरा की देशभक्ति से प्रभावित हुए। वे अभिनव भारत नामक क्राँतिकारी संस्था के सदस्य बने। वे अंग्रेज़ों से नफरत करते थे । उन्होंने कई देशभक्तों की शहीदी का बदला लेने के लिए कर्जन वायली को मारा । मदनलाल ढींगरा ने बंग-भंग आंदोलन के समय भी लंदन की गलियों को वंदे मातरम से गुंजा दिया । वे अपनी कमीज के ऊपर वंदे मातरम लिखकर लंदन के बाज़ारों में घूमा करते थे। वह कहते थे कि दुनिया के हर नागरिक को अपनी मातृभूमि स्वतंत्र कराने का अधिकार है। अंग्रेज़ों को कोई हक नहीं कि वे बिना किसी कारण भारतीयों को गुलाम बनाकर रखें।

प्रश्न2. आपको शहीद मदन लाल ढींगरा के जीवन से क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर:- मदनलाल ढींगरा का सारा जीवन एक प्रेरणा है । संपन्न परिवार से होने पर भी देश के प्रति अपने कर्तव्यों को वे नहीं भूले। भारतीयों पर हुए अत्याचारों का बदला लेने के लिए उन्होंने कई क्राँतिकारी लोगों से संपर्क किया। वे बहुत हिम्मती थे। कर्जन वायली को मारकर भी वे वहां से भागे नहीं । मदन लाल ढींगरा उच्च दर्शकों के स्वामी थे। वे भारतीय संस्कृति के मूल्यों का

अनुपालन करना भी खूब जानते थे । मदनलाल ढींगरा ने कहा की गुलामी राष्ट्रीय देवता का अपमान है। मैं तब तक बार-बार जन्म लेना चाहूँगा। जब तक भारत स्वतंत्र न हो जाए इसलिए हमें भी उनसे प्रेरणा लेकर अपने मन में देश प्रेम रखना चाहिए।

(ख) भाषा-बोध

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखें -

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
शरेय	श्रेय	यांतरिकी	यांत्रिकी
देशभगती	देशभक्ति	परशिकशण	प्रशिक्षण
गौर्न्वान्वित	गौरवान्वित	मृत्यूदंड	मृत्युदंड
सथापना	स्थापना	मातरिभुमि	मातृभूमि
आजादी	आज़ादी	अस्थियां	अस्थियाँ
लवारिस	लावारिस	कालज	कॉलेज
आतमविश्वास	आत्मविश्वास	अध्यन	अध्ययन
क्राँतीकारी	क्राँतिकारी	हजार	हज़ार
स्मरिति	स्मृति	प्रापत	प्राप्त

निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ समझकर उनका वाक्य में प्रयोग करें -

मुहावरे **(अर्थ)** **वाक्य**

1. **तर्क के तराज़ू में तोलना** (सोच-समझकर फैसला लेना) समझदार व्यक्ति हर बात को तर्क के तराज़ू में तोलकर बोलते हैं ।

2. **रंग में रंगा जाना** (प्रभाव पड़ना) मदन लाल ढींगरा देश भक्ति के रंग में रंगे गए।

3. **मौत के घाट उतारना (मार डालना)** सैनिकों ने दुश्मन को मौत के घाट उतार दिया।

4. **ढेर करना (मार गिराना)** युद्ध में बहुत से सैनिक ढेर कर दिए जाते हैं।

5. **आवाज़ को दबाना (चुप कराना)** अंग्रेज़ देशभक्तों की आवाज़ को दबाना चाहते थे।

****

शिक्षा विभाग, पंजाब

(मार्गदर्शक:- **डॉ. सुनील बहल**, असिस्टेंट डॉयरेक्टर एस.सी.ई.आर.टी. पंजाब)

तैयार कर्ता:- राजन शर्मा, जालंधर व मनोज गुप्ता, फिरोजपुर **शोधक:-** राजन, अमृतसर